garding extension of period of take over of M/s. Sri Durga Cotton and Spinning & Weaving Mills Limited. Konnagar, District Hooghly, West Bengal, for a further period upto and inclusive of the 12th July, 1986 [Placed in Library. See No. LT-2587/86].

(xi) S.O. No. 196(E)/18AA/IDRA /86, dated the 16th April, 1986, regarding extension of period of take over of (i) M/s. Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) M/s. Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry. (iii) M/s. Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) M/s. Swadeshi Cotton Mills Maunath Bhanjan. (v) M/s. Udai-Pur Cotton Mills, Udaipur and (vi) M/s. Rai Bareli Textile Mills, Rai Bareli of M/s. Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur, for a further period upto and inclusive of the 19th October, 1986. [Placed in Library. See No. LT-2637/86].

(xii) S.O. No. 205(E), dated the 23rd April, 1986, regarding extension of period of take over of M/s. Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta, for a further period of two weeks upto and inclusive of the 8th May, 1986. [Placed in Library. See No. LT-2638/86].

Report and Accounts (1983-84) of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited, Calcutta and related papers

SHRI M. ARUNACHALAM: Sir, on behalf of Shri R. K. Jaichandra Singh, I also beg to lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Annual Report and Accounts of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited, Calcutta, for the year 1983-84, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and the Auditor General of India thereon.

(ii) Review by Government on the working of the Company. [Placed in Library. See No. LT-2648/86 for (i) and (ii)].

MR. CHAIRMAN: Now Special Mentions—Shri Lal K. Adani.

REFERENCE TO THE CONTINUED STRIKE IN 'HINDUSAN TIMES'

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (मध्य प्रदेश) : सभापति जी, गत दो सप्ताह से हिन्दुस्तान टाइम्स पब्लिकेशन्ज के प्रकाशन बंद है। हिन्दुस्तान टाइम्स दिल्ली से प्रकाशित होने वाले जितने दैनिक पत्र हैं अंग्रेजी में उन में सब से अधिक सर्कुलेशन वाला पत्र है। मेरे मित्र खुशवन्त सिंह जी यहां नहीं है, उन्होंने उनकी कुछ क्वालिटी के बारे में बातें कही हैं उनका मैं जिक्र नहीं करूंगा लेकिन सर्कुलेशन के मामले में तो कोई विवाद नहीं हो सकता और दैनिक हिन्दुस्तान का भी काफी प्रकाशन है। 31 मार्च, 1986 से पहले एक ज्ञापन वहां के कर्मचारियों ने दिया था जिस में पत्रकार भी थे, गैर-पत्रकार भी थे, कि महंगाई बहुत बढ़ी है, लेकिन पिछले वर्ष में हिन्दुस्तान टाइम्स को बहुत लाभ हुआ है और उस लाभ का कुछ हिस्सा कर्मचारियों को भी प्राप्त हो जिस से उनको राहत मिले। महंगाई के कारण इस दृष्टि से कई सुझाव दिए थे, मैं उनके विस्तार में नहीं जाऊंगा। मैं इतना जरूर कहूंगा कि बहुत सारी चीजें ऐसी है जो बिल्कुल उचित हैं। मैडिकल फैसिलिटीज की बात है, ट्रैवलिंग एलाउन्स की बात है और फिर आटोमेशन के आने के कारण जो व्यावहारिक दिक्कतें होती हैं उन व्यावहारिक दिक्कतों के निराकरण का सवाल है। लेकिन उनकी मांगों को नजरअंदाज कर के और मैनेजमेंट ने उन से बात करना भी उचित नहीं समझा। नतीजा यह है कि उन्होंने स्ट्राइक की है। दो हफ्ते से स्ट्राइक चल रही है। मोट तौर पर अगर यह बात सही है कि पिछले साल में हिन्दुस्तान टाइम्स को 5 करोड़ का लाभ हुआ है और उसके कुल